स्वामी विवेकानंद के सहिष्णुता और विभिन्न धार्मिक विश्वासों की स्वीकृति के संदेश के महत्व पर चर्चा कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 4303 **H**

Unique Paper Code : 6967000003

Name of the Paper : Culture and Communication

Name of the Course : **VAC**

Semester : IV

Duration : 1 Hours Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. This question paper carries **4** questions in total.

   इस प्रश्नपत्र में कुल चार प्रश्न हैं।

3. Question No **1**. is Compulsory.

   प्रश्न 1 अनिवार्य हैं।

4. Attempt any **2** out of the remaining **3** questions.

शेष तीन प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये।

5. Answers may be written either in English or Hindi but the same medium should b used throughout the paper.

उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग कीजिए।

6. **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write short notes on any **two** of the following : (2×5)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Empathetic listening and Interpersonal relationship.

समानुभूतिपूर्ण श्रवण और अंतरवैयक्तिक सम्बन्ध

(b) Idea of "Vasudhaiva Kutumbakam" and global harmony.

"वसुधैव कुटुम्बकम्" और वैश्विक संदभाव का विचार

(c) Chanakya's aphorisms on knowledge.

ज्ञान के संदर्भ में चाणक्य सूक्ति

2. "He alone who makes a serious effort at self-surrender to the Divine is the best fitted to receive the Gita's teaching" Explain.

"केवल वही जो ईश्वर के प्रति आत्म-समर्पण का सतत प्रयास करता है, वही गीता की शिक्षा प्राप्त करने के लिए सबसे योग्य है" स्पष्ट कीजिए।

3. 'A Dehumanized Environment' expresses sorrow over the loss of nature. Comment.

'अ डीह्यूमनाइज्ड एनवायरनमेंट' प्रकृति क्षरण पर दुःख अभिव्यक्त करता है। टिप्पणी कीजिए।

4. Discuss the contemporary importance of Swami Vivekananda's message of tolerance and acceptance of different religious beliefs.